डिफेंस कॉरिडोर की जमीन पर यूपी भरेगा ऊंची उड़ान

राजनाथ सिंह बोले, भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है उत्तर प्रदेश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आज उत्तर प्रदेश भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है। अगर वर्तमान सदी एशिया की है तो एशिया में यह सदी भारत की है। भारत में भी यूपी और लखनऊ की है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्री, डिफेंस कॉरिडोर पर चलकर अब ऊंची उड़ान भरेगा। वे शुक्रवार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 'एडवांटेज उत्तर प्रदेश : डिफेंस कॉरिडोर' विषयक चर्चा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमने रक्षा क्षेत्र में प्राइवेट इंडस्ट्री के लिए द्वार खोले हैं। उन्हें हर तरह की सुविधाएं और सुरक्षा दी जा रही है। लोग प्राइवेट इंडस्ट्री रिसर्च एंड डेवलपमेंट व इनोवेशन के क्षेत्र में आगे आएं। हम पहले से दी जा रही सुविधाओं में और वृद्धि करने वाले हैं। डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना के कुछ समय बाद ही 100 से अधिक एमओयू हुए। अब तक 30 से अधिक इंडस्ट्री को साढ़े पांच सौ हेक्टयर से अधिक जमीन का एलॉटमेंट भी किया जा चुका है। लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट भी हो चुका है।

रक्षामंत्री ने कहा कि हमारी आत्मनिर्भरता सभी को आकर्षित कर रही है। किसी भी समाज, राष्ट्र की प्रगति केलिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। एक समय था जब हम हथियारों के लिए दूसरों पर निर्भर थे। आज हम आत्मनिर्भर होने के साथ विदेशों को भी सप्लाई कर रहे हैं। लोगों ने कॉरिडोर ऑफ पावर देखा था, हम सत्ता के हस्तक्षेप से मुक्त डिफेंस कॉरिडोर बना रहे हैं। कहा कि मॉडर्न योद्धा के रूप में तकनीक सामने है, हमें नई-नई तकनीक की जरूरत है।

कार्यक्रम में यूपीडा के सीईओ अरविंद कुमार ने बताया कि रोड शो व 150 एमओयू से रक्षा क्षेत्र में 23 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के चीफ नोडल ऑफिसर एयर चीफ मार्शल (सेवानिवृत्त) आरकेएस भदौरिया ने बताया कि आईआईटी कानपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। तकनीकी शिक्षण संस्थानों को स्किल सेंटर बनना होगा, ताकि ट्रेंड मैनपावर मिल सके। निदेशक एयरोस्पेस व डिफेंस कर्नल केवी कुबेर (सेवानिवृत्त) ने चर्चा सत्र का संचालन किया।

डिफेंस कॉरिडोर विषयक सेशन को संबोधित करते राजनाथ सिंह। -संवाद

रक्षा क्षेत्र में कर रहे बदलाव व आधुनिकीकरण

देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ आर्म्ड फोर्सेज (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि रक्षा क्षेत्र में काफी बदलाव व आधुनिकीकरण कर रहे हैं। इसके लिए इनोवेशन, एमएसएमई, स्टार्टअप, एकेडमी, रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर काम कर रहे हैं। पूरे रक्षा बजट का 68 फीसदी डोमेस्टिक प्रिक्योरमेंट के लिए प्रयोग किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ के साथ चुनौतियों पर भी काम कर रहा है, तकनीकी विकास फंड स्थापित किया है। आने वाला समय एयरोस्पेस का है।